

Padma Shri



SHRI ARJUN SINGH DHURWEY

Shri Arjun Singh Dhurwey is a folk dancer and a retired teacher from the Dindori district of Madhya Pradesh. He is famous for popularising Baiga folk songs and dance. Baiga Pardhauni dance is the main dance of the Baiga tribe. In this form of dance, the performers wear the masks of peacocks, elephants, horses, etc.

2. Born on 12th August, 1953, Shri Dhurwey has secured B.Ed degree in Education and MA degree in Sociology. He was the first post graduate degree holder from the Baiga tribe. He started his work as an assistant teacher on 19th November, 1976. He was promoted to higher grade teacher in 1994 and to the post of head teacher in 2008 and retired from the service in 2015.

3. Shri Dhurwey and his team have given many performances of the Baiga dance within and outside Madhya Pradesh. In the year 2005, in the Republic Day Parade at India Gate, New Delhi, he and his team performed Baiga Pardhauni dance in Mangoli tableau. He also presented the programs at the residences of the then President Sh. APJ Abdul Kalam and Prime Minister Dr. Manmohan Singh. He performed Baiga Pardhoni, dance at various places such as: on 26th January, 2006, at India Gate with 200 students by South Central Zone Cultural Center Nagpur; in 2009 at International Jan Jaati Film Festival; in 2009 at Allahabad Haat; at Vetava Mahotsav in 2011; at Indira Gandhi Rastriya Manav Sanghralaya in 2017 etc. He was nominated as a member of core committee of Tribal Union from 2010 to 2013. Since September 1992 to till date, the work of recording songs like Karma, Dadaria, Faag, Jas, Reena, Wilma, Birha etc. is being done by him at Akash Vani Kendra Jabalpur.

4. For his distinguished service as a "Baiga Tribal Dancer and Singer, performing the dying art form for over four decades, Shri Dhurwey was conferred with Tulsi Samman by Madhya Pradesh Government.

पद्म श्री



श्री अर्जुन सिंह धुर्वे

श्री अर्जुन सिंह धुर्वे एक लोक नर्तक और मध्य प्रदेश के डिंडोरी जिले के सेवानिवृत्त शिक्षक हैं। वह बैगा लोक गीतों और नृत्यों को लोकप्रिय बनाने के लिए मशहूर हुए। बैगा परधौनी नृत्य, बैगा जनजाति का प्रमुख नृत्य है। इस नृत्य शैली में, कलाकार मोर, हाथी, घोड़े आदि के मुखौटे पहनते हैं।

2. 12 अगस्त, 1953 को जन्मे, श्री धुर्वे ने एजुकेशन में बी.एड और समाजशास्त्र में एम.ए. की डिग्री हासिल की है। वह बैगा जनजाति के पहले पोस्ट ग्रेजुएट थे। उन्होंने 19 नवंबर, 1976 को एक सहायक शिक्षक के रूप में काम शुरू किया। 1994 में उन्हें उच्च ग्रेड शिक्षक और 2008 में प्रधान शिक्षक के पद पर पदोन्नत किया गया और 2015 में वह सेवानिवृत्त हो गए।

3. श्री धुर्वे और उनकी टीम ने मध्य प्रदेश में और उसके बाहर बैगा नृत्य की कई प्रस्तुतियां दी हैं। 2005 में इंडिया गेट, नई दिल्ली पर गणतंत्र दिवस परेड में श्री अर्जुन और उनकी टीम ने मंगोली झांकी में बैगा परधौनी नृत्य किया। उन्होंने तत्कालीन राष्ट्रपति श्री एपीजे अब्दुल कलाम और प्रधान मंत्री डॉ. मनमोहन सिंह के समक्ष भी कार्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। उन्होंने कई स्थानों पर बैगा परधौनी नृत्य का प्रदर्शन किया है, जैसे, 26 जनवरी, 2006 को, दक्षिण मध्य क्षेत्र सांस्कृतिक केंद्र नागपुर के आयोजन के अंतर्गत 200 छात्रों के साथ इंडिया गेट पर; 2009 में अंतरराष्ट्रीय जनजाति फिल्म समारोह में; 2009 में इलाहाबाद हाट में; 2011 में वेतवा महोत्सव में; 2017 में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मानव संग्रहालय में, आदि। वह 2010 से 2013 तक जनजातीय संघ की कोर कमेटी के सदस्य के रूप में मनोनीत हुए। सितंबर 1992 से अब तक वह आकाशवाणी केंद्र, जबलपुर में कर्मा, दादरिया, फाग, जस, रीना, विलमा, बिरहा जैसे गीतों की रिकॉर्डिंग कर रहे हैं।

4. चार दशक से अधिक समय से एक विलुप्तप्रायः कला शैली का प्रदर्शन करते हुए एक बैगा जनजातीय नर्तक और गायक के रूप में विशिष्ट सेवा के लिए, मध्य प्रदेश सरकार ने श्री अर्जुन को तुलसी सम्मान प्रदान किया।